PAPER-II
PALI

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

OMR Sheet No. : .....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No._____
(In words)

J 8 3 1 4

Time : **1 ¼** hours] [Maximum Marks : **100**

Number of Pages in this Booklet : **8**

Number of Questions in this Booklet : **50**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : Ⓐ Ⓑ ● Ⓓ
   where (C) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Paper I Booklet only.** If you mark at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the test question booklet and Original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are, however, allowed to carry original question booklet and duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is no negative marks for incorrect answers.**
13. In case of any discrepancy in the English and Hindi versions, English version will be taken as final.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
   (iii) इस जाँच के बाद OMR पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है ।
   उदाहरण : Ⓐ Ⓑ ● Ⓓ
   जबकि (C) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पत्र I के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं । यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर प्रश्न-पुस्तिका एवं मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें । हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका तथा OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं ।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं ।**
13. यदि अंग्रेजी या हिंदी विवरण में कोई विसंगति हो, तो अंग्रेजी विवरण अंतिम माना जाएगा ।

PALI
PAPER – II

NOTE : This paper contains **fifty (50)** objective type questions of **two (2)** marks each. **All** questions are compulsory.

1. The homeless disciples of The Buddha were known as
(A) Muni (B) Paribbājaka
(C) Tapassī (D) Bhikkhu

2. Tanhā arises from
(A) Nāmarūpa (B) Vedanā
(C) Upādāna (D) Viññaṇa

3. The total number of chapters in the Mahāvagga is
(A) Ten (B) Twelve
(C) Fourteen (D) Sixteen

4. The Buddha pondoured over the Paticca-samuppāda in the night firstly in
(A) Paṭhama-yāma
(B) Dutiya-yāma
(C) Tatiya-yāma
(D) Catuttha-yāma

5. One of the following pairs is correctly matched, that is
(A) Vappa – Vimala
(B) Koṇḍañña – Puṇṇaji
(C) Assaji – Bhaddīya
(D) Mahānāma – Gavampati

6. 'Vyāpādavitakka' is destroyed by
(A) Dassanā (B) Adhivāsanā
(C) Parivajjanā (D) Vinodanā

7. Paṭhavīkāya, āpokāya, etc. seven elements were considered unchangeable by
(A) Pūraṇakassappa
(B) Makkhaligosāla
(C) Pakudhakaccāyana
(D) Sañjayabelaṭṭhiputta

8. Match the correct pairs of the following:
(A) Nigaṇṭhana-ṭaputta – Vikkhepavāda
(B) Pakudha-kaccāyana – Saṅsārasuddhi
(C) Makkhali-gosāla – Akiriyāvāda
(D) Ajitakesa-kambali – Ucchedavāda

9. Brahmajāla-Sutta was preached in between
(A) Pāvā and Nālandā
(B) Nālandā and Pāṭaliputta
(C) Rājagaha and Nālandā
(D) Vesāli and Kusinārā

10. In the Brahmajāla-Sutta the Buddha, Dhamma and Saṅgha were praised by
(A) Brahmadatta (B) Suppiya
(C) Pokkharasāti (D) Vassakāra

11. The total number of Mātikas used for the enumeration of Rūpa in the Dhammasaṅgaṇi is
(A) 11 (B) 21
(C) 31 (D) 41

12. The number of jhāna-factors associated with Arūpa-jhāna is
(A) five (B) four
(C) three (D) two

13. 'Cetasikas' are always associated with
(A) Paṭhavī (B) Rūpadhammā
(C) Cittaṁ (D) Ārammaṇaṁ

14. Sobhana – Cittas are in number
(A) Twenty-nine (B) Thirty-nine
(C) Fifty-nine (D) Eighty-nine

15. 'Appamāda' is the characteristic of
(A) Sotāpanna (B) Sakadāgāmī
(C) Anāgāmī (D) Arahata

पालि (भाषा एवं साहित्य)

प्रश्नपत्र – II

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचास (50)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अंक हैं । **सभी** प्रश्नों के उत्तर दें ।

सङ्केतो : इमस्मिं पण्हपण्णे बहु विकप्पिय **पञ्ञास (50)** पञ्हा सन्ति । पच्चेक पञ्हं **द्वे द्वे (2-2)** अङ्कानं ति । **सब्ब** पञ्हानं उत्तरं दातव्वं ।

1. बुद्ध के अनागारिक शिष्य इस रूप में जाने जाते थे :

(A) मुनि (B) परिब्बाजक
(C) तपस्सी (D) भिक्खु

2. तण्हा इससे उत्पन्न होती है :

(A) नामरूप (B) वेदना
(C) उपादान (D) विञ्ञाण

3. महावग्ग में कुल परिच्छेदों की संख्या हैं

(A) दस (B) बारह
(C) चौदह (D) सोलह

4. बुद्ध ने रात्रि के इस याम में पटिच्च-समुप्पाद का मनन प्रथमत: किया था :

(A) पठम-याम (B) दुतिय-याम
(C) ततिय-याम (D) चतुत्थ-याम

5. निम्नलिखित युग्मों में जो सही युग्म है, वह है :

(A) वप्प – विमल
(B) कोण्डञ्ञ – पुण्णजि
(C) अस्सजि – भद्दिय
(D) महानाम – गवम्पति

6. 'व्यापादवितक्क' इससे नष्ट होता है :

(A) दस्सना (B) अधिवासना
(C) परिवज्जना (D) विनोदना

7. पठवीकाय, आपोकाय आदि सप्त तत्त्वों को ये अपरिवर्तनीय मानते थे :

(A) पूरणकस्सप
(B) मक्खलिगोसाल
(C) पकुधकच्चायन
(D) सञ्जयबेलट्ठिपुत्त

8. निम्नलिखित युग्मों में से सही युग्म मिलायें :

(A) निगण्ठनाटपुत्त – विक्खेपवाद
(B) पकुधकच्चायन – संसारसुद्धि
(C) मक्खलिगोसाल – अकिरियावाद
(D) अजितकेसकम्बलि – उच्छेदवाद

9. ब्रह्मजाल-सुत्त की देशना इनके बीच की गयी थी :

(A) पावा और नालन्दा
(B) नालन्दा और पाटलिपुत्त
(C) राजगह और नालन्दा
(D) वेसालि और कुसिनारा

10. ब्रह्मजाल-सुत्त में बुद्ध, धम्म एवं संघ की प्रशंसा इसके द्वारा की गयी थी :

(A) ब्रह्मदत्त (B) सुप्पिय
(C) पोक्खरसाति (D) वस्सकार

11. धम्मसंगणि में रूप का विवरण प्रस्तुत करने हेतु इतनी मातिकाओं का प्रयोग किया गया है

(A) 11 (B) 21
(C) 31 (D) 41

12. अरूपज्झान से सम्प्रयुक्त ध्यानांगों की संख्या हैं

(A) पाँच (B) चार
(C) तीन (D) दो

13. 'चेतसिक' सदा इनके साथ सम्प्रयुक्त रहते हैं :

(A) पठवी (B) रूपधम्मा
(C) चित्तं (D) आरम्मणं

14. सोभन-चित्तों की संख्या हैं

(A) उनतीस (B) उनचालीस
(C) उनसठ (D) नवासी

15. 'अप्पमाद' इसकी विशेषता है :

(A) सोतापन्न (B) सकदागामी
(C) अनागामी (D) अरहत

16. This was main object of the dialogue held between King Milinda and Bhikkhu Nāgasena
(A) Dharmārtha-kathā-Saṅlāpa
(B) Puruśa-Svarūpa
(C) Ratha-Svarūpa
(D) Abhidharma-Kathā

17. Bhikkhu Nāgasena has explained the main aim of 'Pabbajjā' to King Milinda
(A) To achieve knowledge
(B) To earn wealth
(C) To attain Nirvāṇa.
(D) To gain fame

18. According to Milindapañho king Milinda had dialogue with this famous thinker
(A) Niganṭhanātaputto
(B) Makkhaligosālo
(C) Sañjaya Velaṭṭhaputto
(D) Pakudha-kaccāyano

19. According to Milindapañho all religions believe in
(A) The destruction of all worldly sufferings.
(B) The destruction of Army.
(C) The destruction of property.
(D) The destruction of enmity.

20. King Milinda had first meeting with Bhikkhu Nagasena at
(A) Buddhā Vihāra
(B) Bhaddasālavana
(C) Saṅkheyyapariveṇa
(D) Pāṭaliputta Ārāma

21. According to Nāgasena, this is the root cause of Kāla (Past, present and future)
(A) attachment to property
(B) attachment to offspring
(C) Avidyā (ignorance)
(D) Oldage

22. The writing of the Ṭīkā on Pali Aṭṭhakathās is started during the period of
(A) Pāṇḍuvāsudeva
(B) Kālāsoka
(C) Mahāsammata
(D) Parākramabāhu Prathama

23. Match an item in the List-I with the item of List-II.

List – I	List – II
a. Kaṅkhāvitaraṇi	i. Vibhaṁga
b. Paramatthadīpanī	ii. Pātimokkha
c. Papañcasūdanī	iii. Cariyāpiṭaka
d. Sammohavinodami	iv. Majjhimanikāya

Find the correct answer from the following codes :
(A) d + ii (B) c + iv
(C) b + iii (D) a + i

24. Buddhadatta was a contemporary author of
(A) Ānanda (B) Anuruddha
(C) Nāgasena (D) Buddhaghosa

25. The Śīla' has been explained in these methods in the Visuddhimagga
(A) Ten (B) Sixteen
(C) Seven (D) Twelve

26. The first Aṭṭhakathā written by Buddhaghosa is _____
(A) Sāratthapakāsinī
(B) Suṁaṅgalavilāsinī
(C) Manorathapūraṇī
(D) Samantapāsādikā

27. Mahavaṁsa is authored by
(A) Anuruddha (B) Mahānāma
(C) Buddhaghosa (D) Buddhadatta

28. The author of the Dīpavaṁsa is
(A) Nagasena (B) Unknown
(C) Buddhaghosa (D) Anuruddha

29. According to the Vaṁsa-literature king Vijaykumāra arrived Srilankā at
(A) Nandavana (B) Rohaṇagrāma
(C) Tāmraparni (D) Anurādhapura

30. According to the Cullavaṁsa the Buddhaghosa name was given to Ghosakumāra by this monk
(A) Jyotipala
(B) Saṅghapāla
(C) Bhadanta Revata
(D) Mahāmaṅgala

16. राजा मिलिन्द और भिक्षु नागसेन के बीच संवाद का प्रमुख विषय यह था :

(A) धर्मार्थ-कथा-संलप (B) पुरुष-स्वरूप

(C) रथ-स्वरूप (D) अभिधर्म-कथा

17. भिक्षु नागसेनने 'पब्बज्जा' का परम उद्देश्य यह बताया है :

(A) ज्ञान-प्राप्ति (B) समृद्धि-प्राप्ति

(C) निर्वाण-प्राप्ति (D) यश-प्राप्ति

18. मिलिन्दपञ्हो के अनुसार राजा मिलिन्द का संवाद इस प्रसिद्ध तीर्थक से हुआ है :

(A) निगंठनाटपुत्तो

(B) मक्खलिगोसालो

(C) सञ्जय वेलट्ठपुत्तो

(D) पकुधा-कच्चायनो

19. मिलिन्दपञ्हो के अनुसार सभी धर्मों का एक मुख्य लक्ष्य है

(A) संसार-दुक्ख का नाश

(B) सेना का नाश

(C) सम्पत्ति का नाश

(D) शत्रुता का नाश

20. राजा मिलिन्द की भिक्षु नागसेन से प्रथम भेंट यहाँ पर हुई थी :

(A) बुद्ध विहार

(B) भद्धसालवन

(C) संखेप्यपरिवेण

(D) पाटलिपुत्र आराम

21. नागसेनने भूत, वर्तमान और भविष्य काल का मूल इसको बनाया है :

(A) संपत्ति लोभ (B) सन्तान लोभ

(C) अविद्या (D) वृद्धावस्था

22. पालि अट्ठकथाओं पर इनके समय से टीकाएँ लिखे जाने का क्रम प्रारम्भ हुआ

(A) पाण्डुवासुदेव

(B) कालासोक

(C) महासम्मात

(D) पराक्रमबाहु प्रथम

23. तालिका-I के ग्रन्थों को तालिका-II के ग्रन्थों से मिलान करें ।

तालिका – I	**तालिका – II**
a. कङ्खावितरणी	i. विभंग
b. परमत्थदीपनी	ii. पातिमोक्ख
c. पपञ्चसूदनी	iii. चरियापिटक
d. सम्मोहविनोदनी	iv. मज्झिमनिकाय

निम्न कूटों में से सही उत्तर चिह्नित कीजिये :

(A) d + ii (B) c + iv

(C) b + iii (D) a + i

24. बुद्धदत्त इनके समकालीन लेखक थे :

(A) आनन्द (B) अनुरुद्ध

(C) नागसेन (D) बुद्धघोस

25. विक्षुद्धिमग्गमे इतने प्रकारसे 'शील' का विवेचन किया गया है :

(A) दस (B) सोलह

(C) सात (D) बारह

26. बुद्धघोष द्वारा लिखित प्रथम अट्ठकथा यह है :

(A) सारत्थपकासिनी

(B) सुमंगलविलसिनी

(C) मनोरथपूरणी

(D) समन्तपासादिका

27. महावंस इनके द्वारा रचित है :

(A) अनुरुद्ध (B) महानाम

(C) बुद्धघोस (D) बुद्धदत्त

28. दीपवंस के लेखक हैं

(A) नागसेन (B) अज्ञात

(C) बुद्धघोस (D) अनुरुद्ध

29. वंस साहित्य के अनुसार राजा विजयकुमार श्रीलंका द्वीप के इस स्थान पर पहुँचे :

(A) नन्दवन (B) रोहणग्राम

(C) ताम्रपर्णी (D) अनुराधपुर

30. 'चुल्लवंस' के अनुसार घोसकुमार को 'बुद्धघोस' नाम इन्होंने प्रदान किया था :

(A) ज्योतिपाल (B) संघपाल

(C) भदन्त रेवत (D) महामंगल

31. The desolution of Puthageva is
(A) Putha + Geva
(B) Puthu + Eva
(C) Puthū + Eva
(D) Puthu + Geva

32. The suffix is the Kumārī, Pada Happens to be
(A) अ (A) (B) आ (Ā)
(C) इ (I) (D) ई (Ī)

33. The case-ending related with the Okāsa Kāraka is
(A) Chhaṭṭhī (B) Sattamī
(C) Pañcamī (D) Tatiyā

34. The Samāsa with Upasagga, Nipāta, etc. being the Pubbapada is known as
(A) Avyayībhāvo
(B) Bahubbīhi
(C) Dvando
(D) Kammadhārayo

35. The Samāsa with the emphasis on the Pubba-Pada is known as
(A) Kammadhārayo
(B) Avyayībhāvo
(C) Dvando
(D) Bhubbīhi

36. The Khaggavisāṇa-Sutta is included in this tent
(A) Jātakaṁ
(B) Dhammapadaṁ
(C) Dīgha Nikāyo
(D) Suttanipāto

37. The Manorathapūraṇī is the Aṭṭhakathā of one of the following
(A) Aṅguttara Nikāya
(B) Majjhima Nikāya
(C) Samyutta Nikāya
(D) khuddaka Nikāya

38. The author of the Ñānodayo is
(A) Upagutta
(B) Buddhaghosa
(C) Buddhadatta
(D) Dhammapāla

39. At the time of the Saṅgāyana of the Vinaya, the main role was played by
(A) Sāriputta (B) Ānanda
(C) Upāli (D) Upagutta

40. The Vibhaṅga is divided into one of the following parts
(A) Eighteen (B) Sixteen
(C) Eight (D) Ten

41. The number of special features of a Cakkavattī king which have been mentioned in the Mahāparinibbāna Sutta, is
(A) four (B) three
(C) two (D) one

42. Ariyapariyesana Sutta belongs to
(A) Dīgha Nikāya
(B) Majjhima Nikāya
(C) Saṁyutta Nikāya
(D) Aṅguttara Nikāya

43. The story of the life of the Buddha as given in the Jātaka Nidāna Kathā is divided into parts numbering
(A) Three (B) Two
(C) Eleven (D) Five

44. The Third Buddhist Council was held at
(A) Rājagaha
(B) Vesālī
(C) Pāṭaliputta
(D) Mathurā

45. The President of the first Saṅgīti was
(A) Sāriputta (B) Upāli
(C) Ānanda (D) Mahākassapa

46. These are in corporated in the Ariya Aṭṭhangika Magga
(A) Sarana-ttayaṁ
(B) Ratana-ttayaṁ
(C) Paṭiccasamuppādo
(D) Sīlaṁ, Samādhi, Paññā Ca

47. The number of Saṁyojana is
(A) Five (B) Ten
(C) Eight (D) Seven

48. The words Anatta, Anicca, Dukkha are connected with
(A) Tikoṭiparisuddha
(B) Tiloka
(C) Tilakkhaṇa
(D) Tisaraṇa

49. The number of Vipāka Citta-s is
(A) Twelve (12)
(B) Twenty one (21)
(C) Thirty six (36)
(D) Thirty two (32)

50. The number of Sobhana Citta-s in Kāmāvacara Bhūmi is
(A) 24 (twenty four)
(B) 10 (ten)
(C) 12 (twelve)
(D) 8 (eight)

31. पुथगेव का विग्रह है
(A) पुथ + गेव (B) पुथु + एव
(C) पुथू + एव (D) पुथु + गेव

32. कुमारी पद में प्रत्यय है
(A) अ (B) आ
(C) इ (D) ई

33. ओकास (अधिकरण) कारक में विभत्ति होती है
(A) छट्ठी (B) सत्तमी
(C) पंचमी (D) ततिया

34. उपसर्ग, निपात आदि जिसके पूर्व में हों, वह समास होता है
(A) अव्ययीभावो (B) बहुब्बीहि
(C) द्वन्दो (D) कम्मधारयो

35. इस समास में पूर्व-पद प्रधान होता है
(A) कम्मधारयो (B) अव्ययीभावो
(C) द्वन्दो (D) बहुब्बीहि

36. खग्गविसाण-सुत्त इस ग्रन्थ में पाया जाता है :
(A) जातकं (B) धम्मपदं
(C) दीघनिकायो (D) सुत्तनिपातो

37. मनोरथपूरणी अट्ठकथा इसकी है :
(A) अंगुत्तर निकाय
(B) मज्झिम निकाय
(C) संयुत्त निकाय
(D) खुद्दक निकाय

38. ञोणोदयो के लेखक हैं
(A) उपगुत्त (B) बुद्धघोस
(C) बुद्धदत्त (D) धम्मपाल

39. विनय के संगायन में मुख्य थे
(A) सारिपुत्त (B) आनन्द
(C) उपालि (D) उपगुत्त

40. विभङ्ग इतने भागों में विभक्त हैं
(A) अठारह (B) सोलह
(C) आठ (D) दस

41. महापरिनिब्बान-सुत्त में चक्रवर्ती राजा की इतनी विशेष बातें बतलाई गयी हैं
(A) चार (B) तीन
(C) दो (D) एक

42. अरियपरियेसन सुत्त इसमें है :
(A) दीघ निकाय (B) मज्झिम निकाय
(C) संयुत्त निकाय (D) अंगुत्तर निकाय

43. जातक निदान-कथा में बुद्ध की जीवनी को इतने भागों में बाँटा गया है :
(A) तीन (B) दो
(C) एकादस (D) पाँच

44. तृतीय बौद्धिष्ट काउंसिल यहाँ पर हुई थी :
(A) राजगह (B) वेसाली
(C) पाटलिपुत्त (D) मथुरा

45. प्रथम संगीति के अध्यक्ष थे
(A) सारिपुत्त (B) उपालि
(C) आनन्द (D) महाकस्सप

46. अरिय अट्ठगिंक-मग्ग में समाविष्ट होते हैं
(A) सरणत्तयं
(B) रतनत्तयं
(C) पटिच्चसमुप्पादो
(D) सीलं, समाधि, पञ्ञा च

47. संयोजन हैं
(A) पाँच (B) दस
(C) आठ (D) सात

48. अनत्त, अनिच्च, दुक्ख सम्ब्ध है
(A) तिकोटिपरिसुद्ध (B) तिलोक
(C) तिलक्खण (D) तिसरण

49. विपाक चित्तों की संख्या है
(A) बारह (12) (B) इक्कीस (21)
(C) छत्तीस (36) (D) बत्तीस (32)

50. कामावचर-भूमि में शोभन चित्तों की संख्या है
(A) 24 (चौबीस) (B) 10 (दस)
(C) 12 (बारह) (D) 8 (आठ)

Space For Rough Work